सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप सफल होना चाहते हैं तो आपको स्वीकार्य सफलता के घिसे-पिटे रास्तों की बजाय नए रास्तों पर चलना चाहिए।

-जॉन डी. रॉकफेलर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 153 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 8 जुलाई, 2024

अभिषेक के शतक ने भारत को बराबरी... 7 | लालू के बयान के बाद सियासी... 3 | विस उपचुनाव में जीत के लिए पूरी... 2

राहुल के असम-मणिपुर दौरे से बीजेपी के हाथ-पांव फूले

- कांग्रेस व भाजपा में शुरू हुआ वार-पलटवार
- प्रधानमंत्री के रूस दौरे पर भी विपक्ष का सवाल
- विपक्षी नेता बोले- पीएम के पास मणिपुर जाने का समय नहीं
- बीजेपी बोली- मणिपुर में जातीय संघर्ष कांग्रेस पार्टी की विरासत
- पीड़ितों से मिले नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के असम व मणिपुर के दौरे से बीजेपी तिलमिला गई है। जहां भाजपा ने इसे बीमार त्रासदी पर्यटन बताया है तो वहीं कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की रुस यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि मणिपुर जाने के लिए पीएम के पास एक घंटे का समय भी नहीं है। वहीं असम में बाढ़ प्रभावितों से मिलकर राहुल गांधी ने उनका हाल-चाल पूछा और उनकी हर संभव मदद का भरोसा दिया। राहुल मणिपुर जाएंगे, जहां वह हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने से पहले असम के कछार जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की। असम के कई गांवो में पानी भर जाने से 78 लोगों की जान चली गई है और सैकड़ों लोगों को अपने घर खोने पड़े हैं। इन पीड़ितों को राहुल गांधी ने हौंसला बढ़ाया। वे सिलचर पहुंचे और हवाई अड्डे पर असम और मणिपुर के कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया। राहुल ने असम सरकार को भी निशाने पर लिया, और लापरवाही का आरोप लगाया।

केंद्र के सामने उठाएंगे दोनों राज्यों का मुद्दा : राहुल गांधी

असम पहुंचे राहुल को बोरा ने एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उनसे आग्रह किया गया कि वे विनाशकारी बाढ़ के मुद्दे को विशेष मामले के रूप में केंद्र के समक्ष उठाएं, ताकि बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान के लिए पर्याप्त राहत और मुआवजा मिल सके। कांग्रेस नेता ने कहा की वह यहां की समस्या पर केंद्र सरकार से बात करेंगे। उधर बोरा ने कहा हमारी पीड़ा की आवाज केंद्र तक पहुंचाने के लिए हम आपके आभारी रहेंगे। असम को इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए एक पैकेज मिलना चाहिए, क्योंकि राज्य सरकार केंद्र से पर्याप्त धन प्राप्त करने में विफल रही है, जो डबल इंजन सरकार की दोहरी विफलता है।

नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को कुछ घंटों के लिए भी मणिपुर जाने का समय नहीं मिला : जयराम

कांग्रेस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मणिपुर दौरे की पृष्ठभूमि में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री को कुछ घंटों के लिए भी मणिपुर जाने का समय नहीं मिला और न ही उन्होंने इसकी इच्छा जताई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, नॉन-बायोलॉजिकल

प्रधानमंत्री आज मॉस्को जा रहे हैं। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता असम और मणिपुर जा रहे हैं। नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री के लिए ढोल पीटने वालों ने इस बात को लेकर बड़े-बड़े दावे किए हैं कि उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को कुछ समय के लिए रुकवा दिया था। उनकी मॉस्को की इस यात्रा के दौरान संभवतः और भी विचित्र दावे किए जाएंगे। रमेश ने कहा कि 14 महीने पहले राज्य में भड़की हिंसा के बाद से यह राहुल गांधी की मणिपुर की तीसरी यात्रा है।

बीमार त्रासदी पर्यटन कर रहे नेता प्रतिपक्ष : मालवीय

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने रमेश पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी पर बीमार त्रासदी पर्यटन में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपुर में हिंसा कांग्रेस की विरासत है। राज्य में दशकों से नागरिकों, पुलिस और सेना के जवानों की हत्याएं होती रही हैं, जबकि कांग्रेस सत्ता में थी। तीसरी बार असफल हुए राहुल गांधी को भूल जाइए, क्या प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सहित किसी भी कांग्रेस नेता ने, जो असम से राज्यसभा के सदस्य थे, संघर्षग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया। बालक बुद्धि (बच्चे जैसी सोच वाला वयस्क व्यक्ति) केवल बीमार त्रासदी पर्यटन में लिप्त है।

ममता सरकार को 'सुप्रीम' झटका

संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच चलती रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संदेशखाली मामले में पश्चिम बंगाल सरकार को बड़ा झटका लगा है। राशन घोटाले, यौन उत्पीड़न एवं भूमि हड़पने के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 42 मामलों को सीबीआई को ट्रांसफर करने के हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

दरअसल आज संदेशखाली मामले मे कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई जांच कराए जाने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट की टिप्पणियों से जांच प्रभावित नहीं होनी चाहिए। हाईकोर्ट ने ममता सरकार को झटका देते हुए संदेशखाली केस की सीबीआई जांच करने का फैसला सुनाया था।

राजनीतिक वजहों से मामले को बढ़ाया जा रहा : मनु सिंघवी

पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 43 एफआईआर राशन घोटाले मे दाखिल कर दी गई है। राजनीतिक वजहों से इसे बढ़ा चढ़ाकर बताया जा रहा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार से पूछा कि राज्य सरकार किसी को बचाने की क्यों कोशिश कर रहा है।

हेमंत ने हासिल किया विश्वास मत

- झारखंड सीएम के समर्थन में 45 वोट पड़े
- भाजपा ने किया विरोध-प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है। विश्वासमत के दौरान सोरेन के समर्थन में 45 वोट पड़े। इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड विधानसभा पहुंचे। फिर उन्होंने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान बहुमत साबित किया। चर्चा के बाद पक्ष-विपक्ष के बीच विश्वास प्रस्ताव पर मतदान हुआ। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया है।

विश्वास मत प्राप्त करने के बाद सीएम ने बीजेपी पी जोरदार हमला

बोला। उन्होंने कहा हम विकास की बात करते हैं वह सिर्फ राजनीति करते हैं। इस बीच, रांची विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास प्रस्ताव के दौरान इंडिया ब्लॉक और एनडीए के विधायकों की रणनीति क्या हो, इसके लिए रविवार शाम सत्ता और विपक्ष के विधायकों की बैठक हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों ने विश्वास मत हासिल करने का विश्वास जताया। वहीं विपक्षी दल एनडीए ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए यह आसान नहीं होगा। हेमंत सोरेन ने अपने पूर्ववर्ती चंपई सोरेन के पद से हटने के एक दिन बाद, चार जुलाई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

पूरे महागठबंधन का समर्थन

झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में 76 विधायक हैं। हेमंत सोरेन ने तीन जुलाई को सरकार बनाने का दावा पेश किया था, जिसके बाद सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने राज्यपाल को 44 विधायकों की समर्थन सूची सौंपी।

विस उपचुनाव में जीत के लिए पूरी ताकत से जुटें कार्यकर्ता : अखिलेश

» पदाधिकारियों के साथ किया मंथन, बोले- लोस चुनाव में मिले नतीजों को आगे भी दोहराया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उपचुनाव के लिए संबंधित जिलों के पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत के लिए जी-जान से जुटने को कहा है। उन्होंने कहा लोकसभा चुनाव में मिले नतीजों को आगे भी दोहराया जाने का भरसक प्रयास करना है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय पर विधानसभा उपचुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया। संबंधित जिलों के पदाधिकारियों का आह्वान किया कि उपचुनाव में जीत के लिए जी-जान से जुटें, ताकि लोकसभा चुनाव में मिले नतीजों को आगे भी दोहराया जा सके।

हालांकि, इस बैठक के बारे में आधिकारिक तौर पर सपा की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई।यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधायक अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं, जबकि खैर, गाजियाबाद और फूलपुर सीट भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थी। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश प्रसाद की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई मजबूत दावेदार हैं।कटेहरी सीट लालजी वर्मा के सांसद चुने जाने से खाली हुई है और उनकी बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चाएं बीच में उठ रही हैं। लेकिन, पार्टी सूत्र बताते हैं कि वहां से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। सीसामऊ से इरफान सोलंकी के परिवार के ही सदस्य को उतारा जा सकता है।

करहल सीट से तेज प्रताप सिंह बन सकते हैं प्रत्याशी

करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहां से अखिलेश परिवार के सदस्य व पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा के लिए सबसे अहम सीट अयोध्या की मिल्कीपुर है, क्योंकि फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट को जीतना सपा देश में अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर प्रस्तुत कर रही है। मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत भी टिकट के दावेदार हैं।

अयोध्या की मिल्कीपुर विस सीट भी जीतेंगे : अवधेश

फैजाबाद लोकसभा सीट से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा है कि हम उपचुनाव के लिए तैयार हैं। समाजवादी पार्टी मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।उन्होंने कहा कि सपा का कार्यकर्ता लगातार काम करता रहता है। हम चुनाव के लिए तैयार हैं। जो भी मिल्कीपुर सीट से लड़ेगा उसे मेरा पूरा समर्थन है।अवधेश प्रसाद अयोध्या (फैजाबाद लोकसभा) से जीत दर्ज करने के बाद से लगातार चर्चा में हैं और लोकसभा में वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ आगे की सीट पर बैठते हैं।

बसपा संगठन में बदलाव शुरू, लखनऊ में नई कमेटी बनी

» नए लोगों को जिम्मेदारी देने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में हार के बाद बसपा में बड़े बदलाव शुय होने लगे हैं। 2024 चुनाव के बाद बसपा अपने संगठन में बड़ा फेरबदल कर रही है। चुनाव के समय आकाश आनंद के हटाने के बाद लखनऊ में हुई बैठक में आकाश के हाथ में फिर से शक्तियां दे दी गई। इसके बाद संगठन में भी बड़े फेरबदल होने की बात मायावती ने अपनी बैठक में कह दी थी।

2024 लोकसभा चुनाव के दौरान मायावती ने आकाश आनंद को अपरिपक्व कहते हुए उनसे अपना उत्तराधिकारी का पद ले लिया था और उनको प्रचार करने से भी रोक दिया था। पर चुनाव के बाद ही पहली बैठक में मायावती ने उनको एक बार फिर से अपना उत्तराधिकारी बनाते हुए पूरे संगठन में फेर बदल करने की मंशा बता दी थी और उसमें नए लोगों को जिम्मेदारी देने की बात भी निकल के सामने आई थी।

इनेलो से गठबंधन करेगी बसपा

हरियाणा की सियासत में गहरी पकड़ रखने वाले इंडियन राष्ट्रीय लोकदल (इनेलो) प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर सकता है। इनेलो के राष्ट्रीय महामंत्री अभय सिंह चौटाला ने बसपा सुप्रीमो मायावती से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान बसपा के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार भी मौजूद थ बता दें कि बसपा और इनेलो छह वर्ष पूर्व भी साथ मिलकर चुनाव लड़ चुके हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले दोनों दल अलग हो गए थे। हरियाणा में जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसे लेकर सियासी सरगर्मियां बढ़ने लगी है। ऐसे में अभय सिंह चौटाला और मायावती के बीच हुई मुलाकात दोनों दलों के बीच दोबारा गठबंधन का संकेत दे रहा है। बता दें कि हरियाणा में इनेलो की जाट वोट बैंक पर, जबकि बसपा की दलित वोट बैंक पर मजबूत पकड़ है। हरियाणा की सत्ता में दोबारा वापसी की आस में इनेलो ने बसपा से करीबी बढ़ानी शुरू कर दी है।

चेन्नई जाकर आर्मस्ट्रांग को मायावती ने दी श्रद्धांजलि

दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती और आकाश आनंद ने चेन्नई जाकर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। बसपा सुप्रीमो ने तामिलनाडु सरकार से इस हत्याकांड के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग भी की।

राजधानी की कमान शैलेंद्र कुमार को

लखनऊ के जिला कमेटी में बड़ा बदलाव करते हुए बसपा ने नई कमेटी बना दी गई है। मायावती के निर्देश पर बनी कमेटी में नए पदाधिकारियों का एलान किया गया। लखनऊ के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गौतम के नेतृत्व में पूरे जिले की टीम का एलान हुआ है। इस लिस्ट में बसपा ने राकेश जायसवाल को जिला उपाध्यक्ष बनाया है, करन पटेल को जिला महासचिव बनाया गया है, रमाशंकर गौतम को जिला सचिव बनाया गया है।इनके अलावा युसुफ गाजी को जिला खंजाची बनाया गया है, इसके अलावा एड. विशाल कांशी और कुलदीप रावत को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है, विजय चौधरी को जिला बी.वी.एफ संयोजक और आर.के. बर्मन को बामसेफ का जिला संयोजक बनाया गया है।

हाथरस कांड के दोषी भोले बाबा की संपत्ति हो जब्त : आठवले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने हाथरस की घटना पर कहा कि जिस भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ हुई, उसकी संपत्ति कुर्क करके जिन गरीब परिवारों के लोगों की मौत हुई है, उन्हें मुआवजा देना चाहिए। इसके लिए वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे।वीवीआईपी गेस्ट हाउस में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि अपना दल व निषाद पार्टी को उत्तर प्रदेश सरकार में हिस्सेदारी मिली है, वैसे ही रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) को भी यहां हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

हिमाचल में भाजपा ने किया जनमत का अपमान : प्रतिभा सिंह

» उपचुनाव में तीनों सीटें जीतेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा कि प्रदेश की तीनों विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस भारी बहुमत से जीत हासिल कर रही है। हमीरपुर, देहरा व नालागढ़के मतदाताओं का रुझान कांग्रेस के पक्ष में है और लोग प्रदेश में कांग्रेस सरकार को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। तीन उपचुनाव के बाद प्रदेश में कांग्रेस विधायकों की संख्या 41 होने जा रही है।

प्रतिभा सिंह ने यहां जारी एक बयान में कहा है कि भाजपा का कोई भी राजनीतिक दांव अब प्रदेश में चलने वाला नहीं है। प्रदेश में उपचुनाव के लिए भाजपा पूरी तरह जिम्मेदार है और इससे वह कभी भी दोषमुक्त नहीं होगी। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि तीनों पूर्व निर्दलीय विधायकों ने अपने मतदाताओं के उस भरोसे को तोड़ा है जिसके लिए उन्होंने उन्हें चुना था। इसलिए उन्हें अब क्षेत्र के लोग कभी माफ नहीं करेंगे।इन तीनों पूर्व विधायकों को लोगों से अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। प्रतिभा सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा है कि अब चुनाव के तीन दिन शेष हैं। मतदाताओं को सचेत करते हुए पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से पूरा करना है।

भूमि अधिकार के मुद्दों पर लड़ेंगे विस चुनाव : रुहुल्लाह

» बीजेपी पर बरसे नेकां के सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के सांसद रुहुल्लाह मेहदी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा और अनुच्छेद 370 छीने जाने के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएगी। साथ ही भूमि अधिकार, रोजगार सहित अन्य स्थानीय मुद्दों को भी उठाया जाएगा। शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस की घोषणा पत्र समिति की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रुहुल्लाह ने ये बातें कहीं।

रुहुल्लाह ने कहा कि बैठक में भूमि अधिकार, बेरोजगारी, बिजली के बढ़ते बिल, पावर प्रोजेक्ट्स, आरक्षण, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरों के विकास व अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई है। इन सब पर फिर से चर्चा कर इन्हें घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। इस पर सहमति बनी है कि अगर विधानसभा चुनाव होते हैं तो पूर्ण राज्य का दर्जा, 370 व अन्य स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

रशीद को मिले संसद की कार्यवाही में भाग लेने का अवसर

इंजीनियर रशीद से जुड़े सवाल के जवाब में रुहुल्लाह मेहदी ने कहा कि यह अच्छा है कि सांसद रशीद ने लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है। उन्हें संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने की इजाजत भी दी जानी चाहिए।

लालू के बयान के बाद सियासी घमासान

राजद सुप्रीमो ने कहा अगस्त में गिरेगी मोदी सरकार

- भाजपा-जदयू, राजद में वार-पलटवार
- चिराग ने भी बोला तेजस्वी पर हमला
- भाजपा बोली- मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे सत्तर वर्षीय भ्रमित व्यक्ति

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आज कल बिहार की सियासत की चर्चा पूरे सियासी जगत में मची हुई। पुलों के गिरने व अपराध के बढ़ते हादसों की खबरे तो बिहार के लोगों की जुबां पर चढ़ाएं हुए हैं। अब राजद, भाजपा, जदयू व लोजपा के बयानों से भी बिहार सबसे आगे सुर्खियों में बना हुआ है। ताजा मामला लालू यादव के बयान के बाद गरमाया हुआ है जिसमें उन्होंने अगस्त में केंद्र सरकार के गिरने की बात कही थी। हालांकि उनके बयान को बीजेपी व जदयू ने खारिज कर दिया है। ऐसा नही वो पहले नेता हैं जो इस तरह की बात कर रहे हैं इससे पहले राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई अन्य विपक्षी दलों के नेता ऐसी बातें करक सियासी कोहराम मचा चुके हैं। ये तो आने वाला समय ही बताएगा कि आगे क्या हो पर राजद प्रमुख के बयान के सियासी तूफान जरूर उठ गया है।

दरअसल राष्ट्रीय जनता दल का 28वां स्थापना दिवस था। राजद कार्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव समेत कई वरीय नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने लालू और तेजस्वी यादव का भव्य स्वागत किया। इसी दौरान लालू ने यह बयान देकर सनसनी मचा दी थी। वहीं चिराग पासवान ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के अगस्त में सरकार गिरने के बयान पर जोरदार कटाक्ष करते हुए कहा कि ये यही कहते रहेंगे, इन्हें कार्यकर्ताओं को उलझाए रखना है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में तैयारी नहीं कर पाए, अब करने जा रहे हैं. कितनी सीटों पर चुनाव लड़े और कितनी सीटें जीते, यह सबको पता है. अभी अगस्त में सरकार गिराएंगे, फिर आगे यही बोलते-बोलते पांच साल निकाल देंगे। आगे उन्होंने कहा कि मजबूती से अगले पांच साल तक सरकार चलेगी और अगले पांच साल में देश हित में कई बड़े ऐतिहासिक फैसले भी लिए जाएंगे, जिसमें एनडीए के सभी दलों का समर्थन होगा. एनडीए की सरकार मजबूती से चल रही है।

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बहुत कमजोर : लालू

पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लालू प्रसाद यादव कि हमलोगों नेपिछले 27 सालों में काफी उतार चढ़ाव देखे हैं। उतार-चढ़ाव के कारण राजद मजबूत हुआ है। तेजस्वी के नेतृत्व में आगे की लड़ाई को लड़ेंगे। लालू प्रसाद ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बहुत कमजोर है। इस साल अगस्त तक ही यह सरकार चलेगी। मैं पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से तैयार रहने की अपील करता हूं, क्योंकि चुनाव कभी भी हो सकते हैं। दिल्ली में मोदी सरकार बहुत कमजोर है और यह अगस्त तक गिर सकती है।

भाजपा ने 75 प्रतिशत आरक्षण को रोकने साजिश रची : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने अपने पिता के बयान पर सहमति जताते हुए कहा कि केंद्र की सरकार पांच साल नहीं चलेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार 2024 में या 2025 में विधानसभा चुनाव कराए, राजद ही सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि थोड़ा और मेहनत करते तो ज्यादा सीट जीतते। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि हमलोगों को 10 से 12 सीटों पर गलती करके राजद को हराया गया। भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा आरक्षण विरोधी पार्टी है। जाति आधारित गणना और 75 प्रतिशत आरक्षण सीमा बढ़ाय। भाजपा सत्ता में आते ही 75 प्रतिशत आरक्षण को रोकने साजिश रची। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण विरोधी है। तेजस्वी यादव पांच लाख नौकरियां देने का काम किया। तीन लाख नौकरी का प्रावधान फाइल भी बढ़ा दिया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में डबल इंजन का अद्भुत खेल है, एक इंजन भ्रष्टाचार में लगा हुआ है और एक इंजन अपराध में लगा हुआ है। 15 दिन में 12 पुलों का गिरना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। जिस दिन से नीतीश कुमार सीएम बने हैं। सिर्फ 18 महीने को छोड़ दें तो पूरे समय ग्रामीण कार्य विभाग जदयू के पास ही रहा है। बिहार में लगातार भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। बिहार में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं। जिन लोगों ने बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई बढ़ाई, जिन लोगों के कार्यकाल में पुल टूटा, उन्हें हम सत्ता में वापस नहीं आने देंगे।

बिहार में फिर बनेगी एनडीए सरकार, पूरी मजबूती के साथ चलेगी भी : चिराग

केंद्रीय मंत्री व लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने पलटवार करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरी मजबूती के साथ एनडीए चुनाव लड़ेगा। पुनः बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी और पूरी मजबूती के साथ डबल इंजन की सरकार रहेगी। चिराग पासवान ने अपने पिता व पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान की 78वीं जयंती समारोहपूर्वक हाजीपुर पासवान चौक स्मारक स्थित मनाई। कार्यक्रम में हाजीपुर सांसद सह केंद्रीय मंत्री चिराग़ पासवान अपने पिता दिवंगत रामविलास पासवान की आदमकाद प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया है। इसके साथ ही अपने पिता के बताए गए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया लिया है। जयंती समारोह में केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के अलावे जमुई सांसद जमुई अरूण भारती, वैशाली सांसद वीणा देवी, पुर्व विधान पार्षद हुलास पांडे, पुर्व सांसद रामा किशोर सिंह उर्फ रामा सिंह, लालगंज भाजपा विधायक संजय सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। सभा को संबोधन करते हुए चिराग पासवान का फिर परिवार को लेकर दर्द छलक गया है। चिराग़ पासवान ने कहा कि आज से तीन वर्ष पहले आज के दिन ही हाजीपुर की धरती से संकल्प यात्रा की शुरुआत की थी। मुझे पार्टी और परिवार से बाहर कर दिया गया था। लेकिन, आज मैं तीन साल के बाद आप सभी का आशीर्वाद और प्यार से मुझे वह सारे चीज हासिल हो गईं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने पर जवाब दिया। उन्होंने शनिवार को कहा कि मैं सफाई कतई नहीं दूंगा कि उनके राज में क्या होता था। 90 का दशक इसीलिए जंगलराज के रूप में जाना जाता थ। आप विपक्ष में हैं उसका धर्म निभाएं, लेकिन सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएं, उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब नौकरी देने का श्रेय लेना हो तो हर मंच से खड़े होकर आप बोलते हैं, लेकिन जब पुल गिरने की बात होती है तो चुप। उन्होंने कहा कि ऐसा तो नहीं कि सभी पुलों का निर्माण छह महीने के अंदर ही हुआ है? उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था हमलोगों के लिए चिंता का विषय है। वहीं, राहुल गांधी के तरफ से अग्निवीर के शहीदों पर उठाए गए सवाल को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गलत तथ्यात्मक जानकारी सदन के पटल पर रखेंगे, ऐसा नहीं होगा। आप एक सांसद ही नहीं, आप एक संवैधानिक पद पर बैठे हुए हैं, एलओपी के पद की अपनी एक गंभीरता होती है।

28 नवंबर को गांधी मैदान में रैली करेंगे चिराग

चिराग पासवान ने कहा कि मेरे पिता रामविलास पासवान के द्वारा पटना के गांधी मैदान में जनसभाएं की जाती थीं। हमेशा गांधी मैदान में पिता सभाएं किया करते थे। लेकिन, उनके जाने के बाद एक गांधी मैदान में पार्टी ने सभा नहीं किया गया है। तो उन्हीं की परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर आगामी 28 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में रैली की जाएगी। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को भी क्षेत्र में रैली को सफल बनाने को लेकर लोगों के घर-घर जाकर निमंत्रण देने को कहा है।

देश को पीएम मोदी पर भरोसा, जंगलराज नहीं चाहिए : नित्यानंद राय

राजद अध्यक्ष लालू यादव के टप्पणी को भाजपा ने तुरंत खारिज कर दिया। इसे साथ ही भाजपा ने कहा कि बीमार सत्तर वर्षीय व्यक्ति भ्रमपूर्ण हैं और हाल के आम चुनाव मोदी के नेतृत्व में लोगों के विश्वास की पुष्टि थे। प्रसाद ने ये भविष्यवाणी अपनी पार्टी के गठन के 28 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में की, जिसे उन्होंने जनता दल को विभाजित करके स्थापित किया था। लालू यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने पलटवार किया है। राय ने कहा कि पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश और बिहार की जनता ने इच्छा जताई है कि पीएम मोदी भारत के सच्चे सपूत हैं और देश को आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता पीएम मोदी, नीतीश कुमार, एनडीए-बीजेपी पर विश्वास करती है, उन्हें जंगलराज नहीं चाहिए। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने आम बोलचाल की हिंदी वाक्यांश मुंगेरी लाल के हसीन सपने का उपयोग करते हुए राजद सुप्रीमो पर मतिभ्रम करने का आरोप लगाया।

चंद्रबाबू नायडू ने जाति जनगणना नहीं कौशल जनगणना का दिया सुझाव

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू राज्य में कौशल जनगणना शुरू कर रहे हैं और जनसंख्या के पास उपलब्ध कौशल सेटों को मैप करने और मानव पूंजी विकसित करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को एक समान अभ्यास का सुझाव देंगे। जाति जनगणना पर जोर देने वाले इंडिया ब्लॉक राज्यों के विपरीत, नायडू ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य नागरिकों के लिए बेहतर परिणाम उत्पन्न करने के लिए पीपीपी को सार्वजनिक, निजी, लोगों की भागीदारी में विस्तारित करना है। केंद्रीय बजट में अपेक्षित कुछ उपायों के साथ कौशल और रोजगार सृजन को मोदी सरकार के लिए मुख्य फोकस के रूप में देखा जाता है। राजधानी में कई बैठकों के बाद, केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रमुख सहयोगी टीडीपी प्रमुख ने कहा कि जगन मोहन रेड्डी सरकार द्वारा राज्य को गंभीर वित्तीय तनाव में छोड़ने के बाद आंध्र प्रदेश का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता थी। नायडू का इरादा पांच श्वेत पत्रों की एक श्रृंखला के माध्यम से तनाव और विकास की अनुपस्थिति को उजागर करने का है, जिसके कारण पोलावरन सिंचाई परियोजना और अमरावती को नई राज्य राजधानी बनाने की उनकी योजना में व्यवधान देखा गया है। नायडू ने कहा कि वह लोगों को तय करने देंगे कि क्या करना है। वह आंध्र को विकास पथ पर वापस लाने और घरेलू और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपने पहले के अनुभव का उपयोग करने पर भी विचार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्रियों के अलावा, आंध्र के मुख्यमंत्री ने कई उद्योग जगत के नेताओं से भी मुलाकात की और स्वीकार किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की स्थिति में राजनीतिक माहौल को लेकर चिंताएं थीं। नायडू ने कहा, वे शैतान को लेकर चिंतित हैं। हम उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि हम इसे नियंत्रित करेंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी पार्टी किसी सीट या साझा एजेंडे की मांग नहीं कर रही है क्योंकि भाजपा और गठबंधन सहयोगियों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गांवों के अस्तित्व पर न हो शहरों का विकास!

शहरीकरण आज से नहीं हड़प्पा कालीन समय से है। देखने में आया है शहर बढ़ते है पानी, पर्यावरण जैसे संकट भी लाते हैं ऐसे में सरकारों को चाहिए कि वह शहरों का आकार तो बढ़ाए पर पर्यावण व जलवायु जैसे मामलों की भी चिंता करे। ताकि भविष्य में उसका नुकसान आने वाली पीढ़ी को न हो। साथ-साथ ही उन गांवों के मूल या अस्तित्व का भी ध्यान दे जिनको कब्जाकर शहर बसाए जा रहे हैं।

भारत में दुनिया का सबसे तेज शहरीकरण हो रहा है। यूपी से लेकर सुदूर पूर्वोत्तर तक में बड़े-बड़े शहर आकार ले रहे हैं। आए दिन अखबारों में शहरों के विस्तारीकरण की खबरें आती रहती हैं। अभी हाल ही में यूपी की राजधानी लखनऊ में अब पूरे जिले को महानगरीय क्षेत्र में ले लिया गया है। बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। शहरीकरण आज से नहीं हड़प्पा कालीन समय से है। देखने में आया है शहर बढ़ते है पानी, पर्यावरण जैसे संकट भी लाते हैं ऐसे में सरकारों को चाहिए कि वह शहरों का आकार तो बढ़ाए पर पर्यावण व जलवायु जैसे मामलों की भी चिंता करे। ताकि भविष्य में उसका नुकसान आने वाली पीढ़ी को न हो। साथ-साथ ही उन गांवों के मूल या अस्तित्व का भी ध्यान दे जिनको कब्जाकर शहर बसाए जा रहे हैं। शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है।

यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुर्बानी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भी? ही होगी। कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कड़े कानून ही संवारेंगे सड़क के संस्कार

पंकज चतुर्वेदी

जब देश के बड़े हिस्से में बरसात की पहली धार पड़ी तो अमृतस्वरूप जल की सबसे पहली मार उन सड़कों पर पड़ी, जिन्हें आधुनिक विकास का पैमाना माना जा रहा था। देश के हर राज्यों में इस दौरान सड़क से गड्ढों को पूरी तरह मिटाने के अभियान चलते हैं जिन पर कई-कई करोड़ खर्च होते हैं लेकिन एक बरसात के बाद ही पुराने गड्ढे नए आकार में सड़क पर बिछे दिखते हैं। राजधानी दिल्ली हो या फिर दूरस्थ गांवों तक, आम आदमी इस बात से सदैव रुष्ट मिलता है कि उसके यहां की सड़क टूटी है, संकरी है, या काम की ही नहीं है। लेकिन समाज कभी नहीं समझता कि सड़कों की दुर्गति करने में उसकी भी भूमिका कम नहीं है। अब देशभर में बाईस लाख करोड़ खर्च कर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। श्वेत क्रांति व हरित क्रांति के बाद अब देश सड़क-क्रांति की ओर अग्रसर है। इतनी बड़ी राशि खर्च कर तैयार सड़कों का रखरखाव भी महंगा होगा।

यह दुर्भाग्य है कि हमारे देश में एक भी सड़क ऐसी नहीं है, जिस पर कानून का राज हो। गोपीनाथ मुंडे, राजेश पायलेट, साहिब सिंह वर्मा जैसे कद्दावर नेताओं को हम सड़क की साधारण लापरवाहियों के कारण गंवा चुके हैं। सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना, क्षमता से अधिक वजन लादना, धीमी गति के लिए प्रतिबंधित मार्ग की परवाह नहीं करना, लेन में चालन नहीं करना, सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण व दुकानें- ऐसे कई मसले हैं जिन पर माकूल कानूनों के प्रति बेपरवाही है। यही सड़क की दुर्गति के कारक भी हैं। सड़कों पर इतना खर्च हो रहा है, इसके बावजूद सड़कों को निरापद रखना मुश्किल है। दिल्ली से मेरठ के सोलह सौ करोड़ के एक्सप्रेस-वे का चौथे साल पहली ही बरसात में जगह-जगह धंस जाना व दिल्ली महानगर के उसके हिस्से में जलभराव बानगी है कि सड़कों के निर्माण में नौसिखियों व ताकतवर नेताओं की मौजूदगी कमजोर सड़क की नींव खोद देती है। अयोध्या हो या गुरुग्राम हर जगह नई बनी सड़कों के धंसने पर सरकार का उपहास उड़ रहा है।

विडंबना है कि देशभर में सड़क बनाते समय उसके सुपरविजन का काम कभी कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं करता है। यदि कुछ विरले मामलों को छोड़ दिया जाए तो सड़क बनाते समय डाले जाने वाले बोल्डर, रोड़ी, मुरम की सही मात्रा शायद ही डाली जाती है। शहरों में

तो सड़क किनारे वाली मिट्टी उठा कर ही पत्थरों को दबा दिया जाता है। कच्ची सड़क पर वेक्यूम-सकर से पूरी मिट्टी साफ कर ही तारकोल डाला जाना चाहिए, क्योंकि मिट्टी पर गर्म तारकोल वैसे तो चिपक जाता है, लेकिन वजनी वाहन चलने पर वहीं से उधड़ जाता है। इस तरह के वेक्यूम-सकर से कच्ची सड़क की सफाई कहीं भी नहीं होती है। हालांकि इसके बिल जरूर फाइलों में होते हैं। इसी तरह सड़क बनाने से पहले पक्की सड़क के दोनों ओर कच्चे में मजबूत खरंजा तारकोल या सीमेंट को फैलने से रोकता है। इसमें रोड़ी मिल कर खरंजे के दबाव में सांचे सी ढल जाती है। आमतौर पर ऐसे खरंजे कागजों में ही सिमटे होते हैं, कहीं ईंटें बिछाई भी जाती हैं तो उन्हें मुरम या सीमेंट से जोड़ने की जगह महज वहां से खोदी मिट्टी पर टिका दिया जाता है। इससे थोड़ा पानी पड़ने पर ही ईंटें ढीली होकर उखड़ आती हैं। यहां से तारकोल व रोड़ी के फैलाव व फटाव की शुरुआत होती है। सड़क का ढलाव ठीक न होना भी सड़क कटने का बड़ा कारण है। सड़क बीच में से उठी हुई व सिरों पर दबी होनी चाहिए, ताकि उस पर पानी पड़ते ही किनारों की ओर बह जाए। लेकिन शहरी सड़कों का तो कोई लेबल ही नहीं होता है। बारिश का पानी यहां-वहां बेतरतीब जमा होता है और पानी सड़क का सबसे बड़ा दुश्मन है। नालियों का बह कर आया पानी सड़क के किनारों को काटता रहता है। एक बार सड़क कटी तो वहां से गिट्टी, बोल्डर का निकलना रुकता नहीं है । सड़कों की दुर्गति में हमारे देश का उत्सव-धर्मी चरित्र भी कम दोषी नहीं है। महानगरों से लेकर सुदूर गांवों तक घर में शादी हो या राजनीतिक जलसा; सड़क के बीचो-बीच टैंट लगाने में कोई रोक नहीं होती और इसके लिए सड़कों पर चार-छह इंच गोलाई व एक फीट गहराई के कई छेद करे जाते हैं। बाद में इन छेदों में पानी भरता है और सड़क गहरे तक कटती चली जाती है।

नल, टेलीफोन, सीवर, पाइप गैस जैसे कामों के लिए सरकारी महकमे भी सड़क को चीरने में कतई दया नहीं दिखाते हैं। सरकारी कानून के मुताबिक इस तरह सड़क को नुकसान पहुंचाने से पहले संबंधित महकमा स्थानीय प्रशासन के पास सड़क की मरम्मत के लिए पैसा जमा करवाता है। नया मकान बनाने या मरम्मत करवाने के लिए सड़क पर ईंटें, रेत व लोहे का भंडार करना भी सड़क की आयु घटाता है। कालोनियों में भी पानी की मुख्य लाइन का पाइप एक तरफ ही होता है, यानी जब दूसरी ओर के बाशिंदे को अपने घर तक पाइप लाना है तो उसे सड़क को खोदना ही होगा।

समुद्र में कार्बन भंडारण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

मुकुल व्यास

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की और गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे।

वैज्ञानिक अपनी परियोजना को 'सॉलिड कार्बन' कहते हैं। अगर यह परियोजना उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करती है तो तल में प्रविष्ट कार्बन डाइऑक्साइड हमेशा के लिए समुद्र के तल पर एक चट्टान बन जाएगी। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कनाडा के भूभौतिकीविद् मार्टिन शरवाथ ने कहा कि इससे कार्बन भंडारण बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाएगा। इस तकनीक से हमें अन्य भंडारण तकनीकों की तरह कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और वैश्विक तापमान वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये कार्बन हटाने वाली समुद्री फैक्टरियां उम्मीद के मुताबिक काम करेंगी या नहीं। सबसे पहले विज्ञानियों को समुद्र में एक प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दुनियाभर में, बेसाल्ट चट्टानें पृथ्वी के समस्त जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन को स्थायी रूप से जमा कर सकती हैं।

गौरतलब है, इस तरह की तकनीक को अपनाने का मतलब यह नहीं कि जीवाश्म ईंधन को अंधाधुंध तरीके से जलाना सुरक्षित है। फिर भी विज्ञानियों का कहना है कि कुछ रिग ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शरवाथ के अनुसार कनाडा के पश्चिमी तट से दूर, वैंकूवर द्वीप के पास कैस्केडिया बेसिन में विश्व के 20 साल के कार्बन उत्सर्जन को कैद करने की गुंजाइश है। यहीं पर विज्ञानी एक फील्ड टेस्ट करना चाहते हैं। यह योजना एक रासायनिक प्रतिक्रिया पर आधारित है जो पहले से ही स्वाभाविक रूप से होती है। बेसाल्ट चट्टान अत्यधिक प्रतिक्रियाशील होती है। ऐसी चट्टानें धातुओं से भरी होती हैं जो आसानी से कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ लेती हैं और कार्बोनेट खनिजों का निर्माण करने के लिए रासायनिक रूप से इसके साथ जुड़ जाती हैं। बेसाल्ट भी टूट जाता है और छिद्रपूर्ण हो जाता है, जिससे नए कार्बोनेट के भरने के लिए पर्याप्त जगह बच जाती है। आइसलैंड में कार्बफिक्स नामक एक परियोजना ने इस प्रक्रिया के एक छोटे संस्करण का सफल प्रदर्शन किया है। इस विधि में पानी में कार्बन डाइऑक्साइड को घोला जाता है। फिर उसे भूमिगत बेसाल्ट चट्टान में इंजेक्ट किया जाता है। ये समुद्री कार्बन-भंडारण कारखाने बहुत महंगे उपक्रम होंगे लेकिन यदि हम पृथ्वी को पूर्व-औद्योगिक तापमान पर वापस लाना चाहते हैं तो हमें अंतत: ऐसे मेगा-प्रोजेक्ट का सहारा लेना पड़ सकता है।

सॉलिड कार्बन उन बुनियादी तात्कालिक उपायों का विकल्प नहीं है, जिनकी दुनिया भर के जलवायु विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं। इन उपायों में जीवाश्म ईंधन को नवीकरणीय ऊर्जा में बदलना और खाद्य प्रणालियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने ऐसे वायरस खोजे हैं जो जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वायरस शब्द हमारे मन में खौफ पैदा करता है लेकिन सभी वायरस खौफनाक नहीं होते। इनकी दूसरी भूमिकाएं भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फ पर विशाल वायरस की मौजूदगी का पता लगाया है जो बर्फ के शैवाल को संक्रमित करके आर्कटिक की बर्फ के काले होने और पिघलने को नियंत्रित कर सकते हैं। वायरस के 'विशाल' से चकित न हों। विशाल होने के बावजूद इन वायरस को कोरी आंख से नहीं देखा जा सकता। अभी माइक्रोस्कोप से भी इन्हें नहीं देखा जा सका है। इनकी खोज नमूनों के डीएनए विश्लेषण से हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन वायरस का उपयोग करके बर्फ के पिघलने की गति को धीमा किया जा सकता है।

इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने के लिए एक नया रास्ता मिल सकता है। हर वसंत में आर्कटिक के पिघलने पर जीव-जंतु और काले शैवाल सक्रिय हो जाते हैं। शैवाल के सक्रिय होने से बर्फ पिघलने की गति बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ के तेजी से पिघलने से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए ये वायरस प्राकृतिक समाधान प्रदान करते हैं। आर्कटिक में महीनों के अंधेरे के बाद हर वसंत में जब सूरज उगता है,तो जीवन वापस आ जाता है। ध्रुवीय भालू अपनी सर्दियों की मांद से बाहर निकलते हैं। आर्कटिक टर्न नामक पक्षी अपनी लंबी यात्रा से दक्षिण की ओर उड़ते हैं और कस्तूरी बैल उत्तर की ओर बढ़ते हैं। लेकिन जानवर ही एकमात्र ऐसे जीव नहीं हैं जो वसंत के सूरज से फिर से जागृत होते हैं। बर्फ पर निष्क्रिय पड़े शैवाल वसंत में खिलने लगते हैं और बर्फ के बड़े क्षेत्रों को काला कर देते हैं।

घर पर ऐसे बनाएं स्प्रिंग रोल शीट

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे स्नैक्स खाना पसंद न हो। खासतौर पर बात करें भारतीय लोगों की तो हम भारतीय तो सुबह और शाम, दोनों समय अलग-अलग वैरायटी का नाश्ता करना पसंद करते हैं। सुबह के लिए तो ज्यादातर लोग ऐसी चीज खाते हैं जो हेल्दी के साथ ऐसी भी हो, जिससे पेट भरा रहे लेकिन शाम को हर किसी का मन चटाकेदार खाना खाने को करता है। ऐसे में वो अक्सर बाहर से खरीदकर चटाकेदार स्नैक्स खाते हैं। रोज-रोज बाहर का खाना खा के तबियत खराब होने का भी डर होता है। इसी वजह से महिलाएं अपने परिवार वालों के लिए घर पर ही स्नैक्स तैयार करती हैं। अगर आप भी कुछ स्वादिष्ट सा नाश्ता घर पर बनाने का सोच रही हैं तो स्प्रिंग रोल एक बेहतर विकल्प है। इसकी शीट भी अगर आप घर पर ही बनाएंगी, तो इसका स्वाद और बढ़ जाएगा।

सामान

1 कप मैदा, 1/4 कप कॉर्न फ्लोर, 2 बड़े चम्मच रिफाइंड तेल, चौथाई चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तेल।

विधि

अगर आप स्प्रिंग रोल की शीट घर पर तैयार करना चाहती हैं तो सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, कॉर्नफ्लोर और नमक को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा रिफाइंड डालकर इसे सही से मिलाएं। अब जरूरत के हिसाब से इसमें पानी डालें और फिर मैदा धीरे-धीरे गूंथ लें। अब इस गूंथी हुई मैदा से छोटी-छोटी लोई बनाकर उसे बेल लें। ध्यान रखें कि ये आपको कागज की जितनी पतली बेलनी है। आप चाहें को एक साथ कई शीट बेल सकती हैं। इसके बाद इसे हल्का सेकना शुरू करें। हल्का-हल्का सेकने के बाद इसे रख लें। अब आप इससे स्प्रिंग रोल तैयार कर सकती हैं। स्प्रिंग रोल शीट बनाने का ये सबसे आसान तरीका है।

गोंद कतीरा का शरबत पीने से शरीर को मिलेगी बर्फ-सी ठंडक

इन दिनों भीषण गर्मी अपना कहर ढा रही है। ऐसे में कूल-कूल रहने लिए कूलर से लेकर एसी और न जाने क्या-क्या तामझाम मौजूद हैं। इसके बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। गोंद कतीरा का शरबत इस मौसम में आपको जरूर पीना चाहिए। जो शरीर को अंदर से ठंडा करने का काम करेगी। गोंद कतीरा तासीर में ठंडा होता है, इसलिए गर्मी के ये दिन इसका सेवन करने के लिए एकदम परफेक्ट हैं। इस मौसम में अक्सर सिरदर्द, थकान, कमजोरी और खराब पाचन तंत्र से लोगों को जूझना पड़ता है, जिसकी बड़ी वजह लू यानी हीट स्ट्रोक ही है। ऐसे में, अगर आप गोंद कतीरा खाते हैं, तो डायरिया, एसिडिटी और पाचन से जुड़ी तमाम समस्याओं से निजात पा सकते हैं। गर्मी से निजात पाने का यह सबसे अच्छा उपाय है।

सामग्री

गोंद कतीरा- 2 चम्मच, चिया सीड्स- 1 चम्मच, चीनी/शहद- 2 चम्मच, दूध/नारियल पानी- 1 गिलास, रूह अफजा/वनीला एसेंस- (ऑप्शनल), आइस क्यूब्स- जरूरत के मुताबिक।

विधि

गोंद कतीरा का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले इसे रात भर या कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें। चिया सीड्स को भी पूरी रात या कुछ देर के लिए पानी में भिगोकर रख दें, ताकि ये फूल जाएं। जब भीगा हुआ गोंद कतीरा थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो इसे एक गिलास में निकाल लें। अगर आप दूध की मदद से शरबत बना रहे हैं, तो इस गिलास में दूध एड करें। अगर आपको शरबत बनाने के लिए नारियल पानी का यूज करना है, तो इसे गिलास में डाल लें। इसके बाद आप इसमें चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर अगर आपको इसमें रूह अफजा या फिर वनीला एसेंस का फ्लेवर चाहिए, तो इन्हें भी इसमें डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। बस तैयार है आपका गोंद कतीरा शरबत। आइस क्यूब्स डालकर इसे ठंडा-ठंडा ही सर्व करें।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना। संता- लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए। मैनेजर- देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए। संता- ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

पति- क्या देख रही हो? पत्नी- कुकिंग शो। पति- दिन भर कुकिंग शो देखा करती हो, खाना बनाना तो फिर भी नहीं आया तुम्हें। पत्नी- आप भी तो कौन बनेगा करोड़पति देखते रहते हैं, तो कौन सा करोड़पति बन गए।

महिला- भैया ऐसी साड़ी दिखाओ देखकर देवरानी जलकर राख हो जाए, दुकानदार- बहनजी ऐसी साड़ी एक ही थी , वो अभी अभी आपकी देवरानी ले गयी!!

कहानी — सियार और जादुई ढोल

एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मल्लिका शेरावत के साथ काम करने को बेताब हैं इमरान हाशमी

अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री मल्लिका शेरावत फिल्म मर्डर में साथ नजर आए थे। 2004 में आई इस फिल्म में दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिली थी। लेकिन, हैरानी की बात ये भी है कि इसी फिल्म के दौरान दोनों के बीच भयंकर झगड़ा भी हो गया था। बात इतनी बिगड़ चुकी थी कि उस फिल्म के बाद दोनों फिर किसी फिल्म में साथ नजर नहीं आए। दो दशक बाद इमरान हाशमी ने उस तकरार पर अब जाकर चुप्पी तोड़ी है। वक्त के साथ दोनों सितारों के बीच गिले-शिकवे अब दूर हो चुके हैं। हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में दोनों को गले मिलते देखा गया था और अब इमरान ने आखिरकार उनके बीच के उस चर्चित झगड़े पर खुलकर बात की। इमरान ने मल्लिका से मुलाकात के बारे में बात करते हुए कहा, यह बहुत गर्मजोशी भरा और कॉर्डियल था। मैंने उसे बहुत समय बाद देखा। मुझे नहीं लगता कि लंबे समय में हमारा ऐसा कोई एनकाउंटर हुआ था। मर्डर की रिलीज के बाद मैंने उससे कई बार मुलाकात की। अभिनेत्री के साथ तकरार पर इमरान ने आगे कहा, उस वक्त हम युवा थे और बेवकूफ थे। आप अपनी जिंदगी में एक ऐसे दौर से गुजरते हैं, जब आपकी फैसला लेने की शक्ति इतनी सीमित हो जाती है। आप बहुत जल्दी आवेग में आ जाते हैं। कुछ छोटी बातें उसने कहीं और कुछ मैंने भी, लेकिन वह सभी बातें अब बीत चुकी हैं। वह सब बीत चुका है। इस दौरान इमरान हाशमी ने कहा कि वह मल्लिका के साथ दोबारा साथ काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, हमने यह सब एक तरफ रख दिया, बहुत समय पहले की बात है। उसे देखना और मिलना बहुत अच्छा लगा। वह बहुत गर्मजोशी से भरी थीं और मैं भी। वह एक को-एक्ट्रेस हैं, काश मैं उनके साथ दोबारा काम कर पाता।

फिल्म बयान में चंद्रचूड़ संग रोमांस फरमायेंगी हुमा कुरैशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से सीरीज महारानी को लेकर चर्चा में हैं। शो में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया था। अब एक्ट्रेस के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। निर्माता शिलादित्य बोरा हुमा कुरैशी और चंद्रचूड़ सिंह को साथ कास्ट करने वाले हैं। फिल्म का नाम बयान बताया जा रहा है जोकि एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म होगी। फिल्म का डायरेक्शन बिकास मिश्रा करने वाले हैं। बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने राजस्थान में शुरू होगी। हुमा ने फिल्म की घोषणा करते हुए लिखा,एक ऐसी फिल्म जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। एक शानदार स्क्रिप्ट, एक प्रतिभाशाली क्रू और अपने काम के प्रति उनका पूर्ण समर्पण। शिलादित्य बोरा, मधु शर्मा, कुणाल कुमार और अंशुमान सिंह ने मिलकर इस फिल्म को को-प्रोड्यूस किया है। राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म बयान जिसका अर्थ है सबूत है एक पिता-बेटी की कहानी पर आधारित है। कहानी रूही नाम की एक लड़की पर केंद्रित है जो एक महिला जासूस है। उसे राजस्थान के एक छोटे से शहर भेजा गया है जहां वो लीड के तौर पर पहली बार किसी मामले की जांच करेगी। इसके बाद रूही को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि वहां पर प्रतिद्वंदी उसके लिए दिक्कत खड़ी करते हैं।

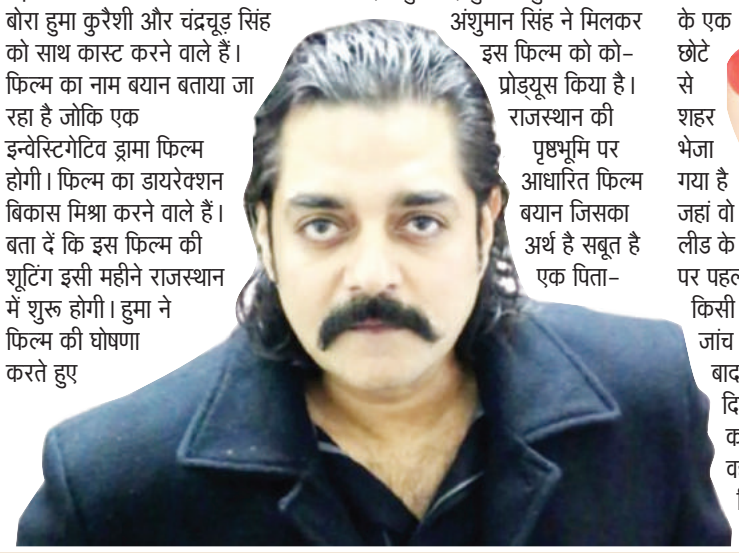

अल्फा में आलिया भट्ट को टक्कर देंगी शरवरी वाघ

पठान और 'टाइगर 3' के साथ अपने YRF स्पाई यूनिवर्स को और बड़ा करने वाले आदित्य चोपड़ा ने पिछले साल पहली महिला प्रधान स्पाई फिल्म का ऐलान किया था। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। जब से इस फिल्म का ऐलान हुआ था, उसी दिन से दर्शकों के बीच गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। अब आलिया और शरवरी की इस फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठ गया है। आलिया और शरवरी की फिल्म का नाम 'अल्फा' रखा गया है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान शिव रवैल ने संभाली है। शिव ने धनुष अभिनीत 'द रेलवे मेन' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। शाहरुख खान अभिनीत 'पठान' और 'टाइगर 3' के बाद यूनिवर्स में अगली फिल्म ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर अभिनीत 'वॉर 2' होगी। इसके बाद आलिया और शरवरी की फिल्म होगी। यह यूनिवर्स की सातवीं फिल्म होगी।
YRF स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत 2012 में सलमान खान और कैटरीना कैफ की 'एक था टाइगर' के साथ हुई थी। इसके बाद 'टाइगर जिंदा' (2017), 'वॉर' (2018), 'पठान' (2023) और 'टाइगर 3' (2023) रिलीज हुई थी। सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन किया।

अजब-गजब | इसका फल चखने से हो सकती है मौत!

अगर बारिश में गलती से भी खड़े हो गए इस पेड़ के नीचे तो जला देगा शरीर

पेड़ पौधों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। पेड़ों से हमें फल मिलते हैं। इसके अलावा भी पेड़ हमारे बहुत काम आते हैं। लेकिन कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जो फायदे की जगह नुकसान पहुंचाते हैं। हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया का सबसे जहरीला पेड़ कहा जाता है। अगर कोई इंसान बारिश में इस पेड़ के नीच खड़ा हो जाए तो बहुत नुकसान हो सकता है। इस जहरीले पेड़ का नाम मैंशीनील है।

मैंशीनील पेड़ को दुनिया के सबसे जहरीले पेड़ों में गिना जाता है। इस पेड़ के हर हिस्से में जहर होता है लेकिन सबसे ज्यादा जहरीला इसका फल होता है। इस पेड़ के फल छोटे सेब के आकार के होते हैं लेकिन इतने जहरीले होते हैं कि अगर कोई इन्हें टेस्ट भी कर ले तो उसकी मौत हो सकती है। इसी वजह से इसके फल को मौत का छोटा सेब भी कहा जाता है।

अगर आप बारिश से बचने के लिए इस पेड़ के नीचे खड़े होते हैं और इसके पत्तों पर पड़ने वाली बूंदे अगर आपके शरीर को छूकर गिरती है, उस जगह से आपकी स्किन जल जाएगी।

मैंशीनील पेड़ का कोई हिस्सा किसी व्यक्ति की आंखों तक पहुंच जाए तो वो अंधा तक हो सकता है। इसी कारण लोगों को इस पेड़ के संपर्क में आने और इसके फलों को खाने से रोकने के लिए पेड़ों के आसपास बोर्ड लगाए गए हैं, जिसमें इस पेड़ से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय कारपेंटर इस पेड़ की लकड़ियों से फर्नीचर बनाते हैं। हालांकि, इसे काटते सामने बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है। काटने के बाद फर्नीचर बनाने से पहले इसकी लकड़ियों को काफी वक्त तक धूप में सुखाते हैं, ताकि इसका जहर खत्म हो जाए।

255 साल पुराना है यह पेड़, 5 एकड़ जमीन पर फैली है इसकी फैमली

भारत ऐतिहासिक विरासत और अजब-गजब प्राकृतिक संपदाओं से भरा देश है। हर कोना अपने आप में विशिष्ट और बेजोड़ है। देश के साथ ही विदेशी पर्यटकों और रिसर्चरों के लिए भारत हमेशा से एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण राष्ट्र रहा है। हावड़ा के शिबपुर में स्थित एक विशालकाय बरगद का पेड़ इसी लिस्ट में आता है। दरअसल, विशाल वट वृक्ष 255 साल पुराना है। साथ ही यह पेड़ 5 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है। बरगद के पेड़ को कोलकाता का सबसे पुराना और बुजुर्ग नागरिक भी कहा जाता है। 255 साल पुराना विशाल बरगद का पेड़ हावड़ा के शिबपुर के आचार्य जगदीश चंद्र बोस इंडियन बोटेनिक गार्डन में है। पिछले 30 वर्षों में इस पेड़ का फैलाव दो एकड़ से भी ज्यादा जमीन पर हुआ है। बोटेनिकल गार्डन में इस पेड़ को देखने के लिए देश के साथ ही विदेशों से भी लोग आते हैं। पर्यटकों के बीच यह आकर्षण का मुख्य केंद्र है। विशाल बरगद के पेड़ में लगातार फैलाव के चलते बोटेनिकल गार्डन के अधिकारियों को इसकी बाउंड्री में वृद्धि करनी पड़ी है, ताकि इस ऐतिहासिक पेड़ को सुरक्षित रखा जा सके। बरगद के पेड़ की मुख्य जड़ बहुत पहले खत्म हो चुकी है, लेकिन इसकी शिराएं लगातार फैल रही हैं। पेड़ की शिराएं फैलते-फैलते 5 एकड़ तक पहुंच चुकी हैं। एक ही पेड़ को देखने पर लगता है मानो किसी जंगल में आ गए हों। साल 1985 में जब पेड़ के चारों ओर एक बाड़ लगाई गई थी, तो इसने तीन एकड़ क्षेत्र को कवर किया था। आज चारों ओर पेड़ की शिराओं से इतनी सारी जड़ें उग आई हैं कि कुल कवर क्षेत्र 5 एकड़ से भी ज्यादा हो गया है। बोटेनिक सर्वे ऑफ इंडिया ने विशालकाय पेड़ को 'द वॉकिंग ट्री' का नाम दिया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में इस विशालकाय बरगद के पेड़ को शामिल किया गया है। बोटेनिकल गार्डन अधिकारियों ने बताया कि इस ग्रेट बरगद के पेड़ की 4,000 से अधिक जड़ें हैं जो इसे जीवित रखती हैं। वे बताते हैं कि यह अपने आप में एक आश्चर्य है, क्योंकि मुख्य जड़ 1925 में फंगल संक्रमण के कारण नष्ट हो गया था। पेड़ सूर्य के प्रकाश की दिशा का अनुसरण करते हुए पूर्व की ओर 'चल' रहा है। यह पेड़ जल्द ही आसपास की पक्की सड़कों को पार कर गया और लगातार पूर्व की ओर बढ़ता रहा। बोटेनिकल गार्डन के क्यूरेटर एमयू शरीफ ने बताया कि पेड़ की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राहुल गांधी के अयोध्या को लेकर दिए बयान पर बवाल

» सिंधिया का निशाना, बोले- जमीन पर जाकर वास्तविकता पहचानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भाजपा ने कांग्रेस पर किया पलटवार

अयोध्या जीतकर भाजपा के मंदिर आंदोलन को किया समाप्त : राहुल

राहुल गांधी ने अपने अहमदाबाद दौरे के दौरान शनिवार को बयान दिया था कि इंडिया गठबंधन ने फैजाबाद लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के राम मंदिर आंदोलन को समाप्त कर दिया है। जिसे वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आणवानी ने शुरू किया था। अयोध्या शहर भी फैजाबाद लोकसभा सीट का हिस्सा है। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि हम अयोध्या नहीं हारे हैं, फैजाबाद हारे हैं। हम अयोध्या जीते हैं और डंके की चोट पर जीते हैं। अयोध्या नाम से लोकसभा की कोई सीट नहीं है। यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

भोपाल/ग्वालियर। राहुल गांधी के अयोध्या को लेकर दिए बयान पर मध्य प्रदेश में सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल को अहंकारी कहते हुए कहा कि इनको जमीन पर जाकर वास्तिकता पहचाना चाहिए। राहुल गांधी के भाजपा पर हमले पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस का 13 राज्यों में खाता ही नहीं खुला। जहां उसकी भाजपा से सीधी लड़ाई थी।

हर बार हार का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में असहिष्णुता का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म को गालियां दे रहे हैं। जनता ने तीन बार विपक्ष में बैठा दिया। सिंधिया ने कहा कि भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को मिली कुल सीटों से अधिक सीटें जीतीं। जहां 2024 के चुनावों में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं, वहीं कांग्रेस ने अपनी सीटों में सुधार किया, लेकिन तीन अंकों के आंकड़े से थोड़ा कम यानी 99 पर सिमट गई।

99 के फेर का मुगालता जल्द करेंगे दूर

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने राम जन्म भूमि आंदोल को कुचलने की कोशिश की, लेकिन कुचल नहीं पाए। 6 दिसंबर को हम भी गए थे, हमने बाबरी ढांचा तोड़ा। तुम्हारे पितामी के पास 400 थे, राम जी से टकराए तो जीरो हो गए। 99 के फेर का मुगालता जल्द दूर करेंगे। शर्मा ने कहा कि जो राम का विरोध करता है। हिंदूस्तान की जनता उसका विरोध करती है।

सिंधिया ने कहा कि फिर भी इनका अहंकार देखा। उन्होंने बिना राहुल गांधी के नाम लिए कहा कि उनको जमीन पर जाकर असलियत का पता लगाना चाहिए। इसके बाद ही कोई बयान देना चाहिए।

आप और एलजी में जारी है टकरार

» उपराज्यपाल ने लगाई शिक्षकों के तबादले पर रोक

» दिल्ली सरकार ने गलत बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली मेंआप सरकार व उपराज्यपाल कार्यालय में टकरार अब भी बरकरार है। सरकार के स्कूलों में काम कर रहे शिक्षकों के तबादले पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रोक लगा दी है। भाजपा के सांसदों के साथ शिक्षकों के प्रति निधि मंडल दल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान शिक्षकों ने अपनी बात रखी। इस पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए बेहतर सेवा शर्तों के लिए लगातार प्रयास कर रहे।

उन्होंने मुख्य सचिव और शिक्षा निदेशालय को शिक्षकों से संबंधित हाल के स्थानांतरण आदेशों पर सहानुभूतिपूर्ण, समग्र और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी है। साथ ही सुझाव दिया है कि अंतरिम अवधि में आदेशों को स्थगित रखा जाए।

भाजपा के कहने पर हुए तबादले : आतिशी

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि सरकार के आदेश के बावजूद अधिकारियों ने 2 जुलाई को पांच हजार शिक्षकों का तबादला कर दिया था। ये वह शिक्षक हैं जिन्होंने पिछले 10 साल में दिल्ली सरकार के स्कूलों का परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर कर दिया। इन शिक्षकों का कारण ही सरकारी स्कूल के बच्चों का दाखिला आइआइटी में हुआ। शिक्षक केजरीवाल सरकार के साथ मिलकर दिल्ली के शिक्षा व्यवस्था को सुधार रहे थे। लेकिन भाजपा ने एलजी की मदद से इन शिक्षकों का तबादला करवाया। लेकिन जिस दिन यह आदेश आया था उसे दिन भी हमने वादा भी किया था कि किसी भी शिक्षकों के साथ कुछ गलत नहीं होने दिया जाएगा। दिल्ली सरकार के दबाव के कारण ही आज लोग को यह आदेश वापस लेना पड़ा है।

जैन के खिलाफ एलजी ने दी जांच की मंजूरी, आतिशी भड़कीं

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रिश्वतखोरी के मामले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए हैं। भ्रष्टाचार निवारण (पीओसी) अधिनियम के तहत जांच को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल ने एसीबी द्वारा जैन के खिलाफ जांच को मंजूरी देने के लिए पीओसी अधिनियम, 1998 की धारा 17 ए के तहत मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजने के डीओवी के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। वहीं मंत्री आतिशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार दिन रात दिल्ली सरकार के खिलाफ साजिश में लगी रहती हैं। 10 साल में आम आदमी पार्टी के नेताओं पर 200 से ज्यादा केस किए गए हैं। आज तक भ्रष्टाचार का एक रुपया कहीं से बरामद नहीं हुआ है। आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार है। अब ये एक और फर्जी केस है।

हादसों के बाद भी नहीं जागा नगर निगम लखनऊ

» बिना सुरक्षा उपकरणों के नाले में उतारे जा रहे सफाईकर्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में मानसून आने से पहले नालों की सफाई का काम पूरा होना था लेकिन सफाई का काम पूरा नहीं हो पाया। इस तरह ये नाले बड़ी घटना को दावत दे रहें हैं। उधर जब फटकार लगी तब अधिकारी जोर-जोर से कम करने में लग गए हैं। काम के दौरान बड़ी लापरवाही जिम्मेदारों की दिखाई दी एक बार फिर राजधानी के नालों में बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कर्मचारियों को उतार दिया गया है। अगर ऐसे में कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा क्योंकि राजधानी में इससे पहले भी कई हादसे से हो चुके हैं और कार्यवाही के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति की गई।

नगर निगम के अंतर्गत आने वाले जवाहर नगर का है जहां पर नाले की सफाई के लिए कर्मचारियों को बिना सुरक्षा उपकरण उतार दिया गया। सरकार का निर्देश है की नाले या सीवर की सफाई में लापरवाही ना बढ़ती जाए लेकिन इन सब के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी ठेकेदारों के भरोसे काम चला रहे हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि अगर कोई हादसा नाले की सफाई के दौरान होता है तो उसकी जिम्मेदारी नगर निगम लगा या ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करके सिर्फ खानापूर्ति की जाएगी।

हरियाणा में कानून व्यवस्था चरमराई: इंद्रजीत

» अपनी ही सरकार पर बरसे केंद्रीय मंत्री, बोले- ऐसे ही रहा तो हार तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार (हरियाणा)। अपनी ही सरकार पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने जमकर हमला बोला। उन्होंने धर्मशाला में कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। वह इस मामले में गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर कानून व्यवस्था को ठीक करवाने का काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो विधानसभा चुनाव में नुकसान होना लाजमी है।

राव इंद्रजीत हांसी में अनाज मंडी धर्मशाला में मंडी एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान

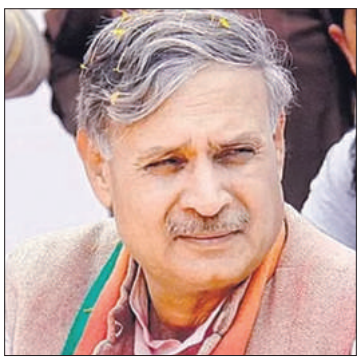

मंच पर कैबिनेट मंत्री बनवारी लाल व सांसद धर्मबीर सिंह मौजूद रहे। प्रदेश में कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है। आए दिन व्यापारियों से खुलेआम फिरौती मांगी जा रही है और गोलियां चलाई जा रही हैं। सरकार उसे रोकने में नाकाम साबित हो रही है। तायल ने कहा कि जिस दौरान हरियाणा के सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा थे और आप केंद्रीय मंत्री थे उस समय भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुंडागर्दी का खात्मा करने का काम किया था।

भाजपा सरकार में हरियाणा बना देश का सबसे असुरक्षित प्रदेश : हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने आरोप लगाते हुए कहा कि हरियाणा देश का सबसे असुरक्षित प्रदेश बन गया है। करनाल में हुई एएसआई संजीव की हत्या बताती है कि आज प्रदेश में लोगों की सुरक्षा करने वाले खुद भी सुरक्षित नहीं है। व्यापारियों से लगातार फिरौती मांगी जा रही है। इसलिए हिसार समेत पूरे हरियाणा में व्यापारी वर्ग आंदोलनरत है। कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ व्यापारियों के साथ खड़ी है। कांग्रेस ने पिछले कार्यकाल के दौरान बदमाशों को हरियाणा छोड़ने पर मजबूर कर दिया गया था और प्रदेश के 10 साल शांतिपूर्ण तरीके से गुजरे थे। दोबारा कांग्रेस सरकार बनने पर फिर से अपराध का सफाया करके प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज स्थापित किया जाएगा।

अभिषेक के शतक ने भारत को बराबरी पर पहुंचाया

» टीम इंडिया ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 100 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरारे। भारतीय टीम ने युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की 47 गेंद में 100 रन की शानदार शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे पर 100 रन की जीत से पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण पहले मैच में मिली 13 रन की हार से वापसी करते हुए भारत ने अभिषेक के आठ छक्के और सात चौके जड़ति शतक से रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत का सर्वोच्च स्कोर है, इससे पहले सर्वोच्च स्कोर 186 रन का था। भारत ने फिर मुकेश कुमार (तीन विकेट), आवेश खान (तीन विकट) और रवि बिश्नोई (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से जिम्बाब्वे को 18.4 ओवर में 134 रन पर समेट दिया। भारत ने इस तरह टी20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की। जिम्बाब्वे के लिए सलामी बल्लेबाज वेस्ले माधेवेरे ने 43 रन, ल्यूक जोंगवे ने 33 रन और ब्रायन बेनेट ने 26 रन की पारी खेली। इनके अलावा जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कैंपबेल के बेटे जोनाथन कैंपबेल (10 रन)ही दोहरे अंक में पहुंचे। पिछले मैच में पदार्पण के दौरान चार गेंद में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक ने सूझबूझ से खेलते हुए रूतुराज गायकवाड़ (47 गेंद में नाबाद 77 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी निभायी।

पहले मैच में भारत की युवा टीम 13 रन से हारी थी

शुभमन गिल की अगुआई वाली युवा भारतीय टीम बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण शनिवार को यहां पांच मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में कम अनुभवी जिम्बाब्वे से 13 रन से पराजित हो गई। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट पर 115 रन पर रोक दिया। पर उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों को काफी मुश्किल आयी जिसने पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिये और पूरी टीम 19.5 ओवर में 102 रन पर सिमट गयी।

देश में मूसलाधार बारिश से मचा हाहाकार

» यूपी से लेकर असम तक बाढ़ से जीवन अस्त-व्यस्त

» वर्षा से हुए हादसों में सैकड़ों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून की बारिश ने पूरे देश में तेजी पकड़ ली है। लगातार हो रहे बारिश से यूपी, असम, उत्तराखंड से लकर महाराष्ट्र तक पानी-पानी हो गए है। गांवों से लेकर शहरों तक घरों, खेतों में पानी घुस गया है। चारों ओर बारिश की वजह से सड़कें, रेल लाइनें सब डूब गई हैं। इसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान भी चली गई। इस समय पूरे भारत में जीवन अस्त-व्यस्त होने से हाहाकार मचा हुआ है। हालांकि केंद्र से लेकर राज्य सरकारें आपदा में प्रभावित लोगों को हर संभव मदद करने की कोशिश कर रही है।

यूपी के कुशीनगर, बिजनौर और अंबेडकरनगर आदि जिलों में तो बारिश की वजह से खेतों में फसलें डूब गईं और कहीं कहीं बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए चेतावनी जारी की है। पूरा प्रदेश मानसून से प्रभावित हो गया है। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बीते 24 घंटों के दौरान इस मानसून में पहली बार गरज चमक के साथ इतनी भारी बरसात हुई। पूरे प्रदेश में इस सीजन इतनी ज्यादा बरसात किसी और दिन नहीं हुई थी। कुशीनगर, बिजनौर और अंबेडकरनगर आदि जिलों में तो बारिश की वजह से खेतों में फसलें डूब गईं और कहीं कहीं बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। 24 घंटे में बस्ती में सर्वाधिक 280 मिमी. तो वहीं बलरामपुर, मनकापुर और गोरखपुर में 210 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकके मुताबिक आज से अगले दो तीन दिनों वर्षा की तीव्रता में कमी आएगी। इसके बाद मानसूनी बारिश दोबारा रफ्तार पकड़ेगी। रविवार को मौसम विभाग ने आज के लिए प्रदेश के तराई इलाकों समेत 15 जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

यूपी के 15 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

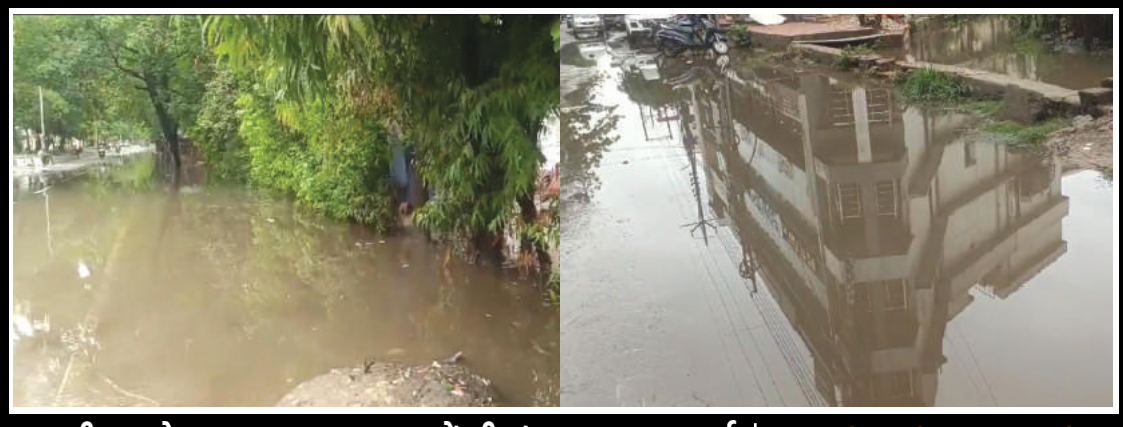

मुंबई में भारी बारिश से सब बंद

मुंबई और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रातभर हुई भारी बारिश के चलते ट्रेनें, सड़कें और राजमार्ग प्रभावित हुए हैं। काम पर जाने वाले लाखों यात्री कई स्टेशनों पर फंस गए और सुबह के सत्र के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लोगों को सड़कों, रेलवे ट्रैक, निचले इलाकों में पानी भरे होने, घरों, दुकानों या दफ्तरों में पानी भरने, मेट्रो बंद होने और कई जगहों पर आवागमन बाधित होने का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही आज दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी गई है। बारिश की वजह से कई विधायक हाउस में पहुँच ही नहीं पाए हैं।

बाढ़ की मार से कराह रहा असम, मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हुई

मौसम का कहर असम पर टूट रहा है। यहां की अधिकतर नदियां उफान पर हैं। भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से सोमवार को 28 जिलों के करीब 23 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग ने नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने के साथ ही अलर्ट जारी किया है। इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान से मरने वालों की संख्या 78 हो गई है। इसमें से 66 लोगों की बाढ़ की चपेट में आने से जान गई है। असम में बिगड़े हालातों को लेकर सियासी गलियारों में भी काफी हलचल है। विपक्षी दल लगातार राज्य सरकार पर हमला बोल रहे हैं। इस बीच, जानकारी सामने आई थी कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को सिलचर पहुंचेंगे और उसके बाद मणिपुर जाने के रास्ते में कछार जिले के फुलरताल में एक बाढ़ राहत शिविर का दौरा करेंगे।

पीलीभीत में बारिश के पानी में बही नई रेल लाइन की पुलिया, लटक गई रेल पटरी

हाल ही में बड़ी लाइन में बदले पीलीभीत मैलानी जंक्शन रेलवे रूट पर शाहगढ़ स्टेशन व संडई हाल्ट के बीच सकरिया नाले के तेज बहाव से पुलिया रविवार की रात पानी के तेज बहाव से बह गई। यह पुलिया रेलवे पोल संख्या 241/2 व 241/3 के बीच बताई गई है। पुलिया बहने से घटिया निर्माण की भी पोल खुल गई है। इसके चलते इस रूट की सभी ट्रेनों का संचालन रेलवे प्रशासन ने फिलहाल बंद कर दिया है। नई ट्रेनों के संचालन में भी बाधा पैदा हो गई है। पुलिया के निर्माण में काफी समय लगेगा। इसके अलावा खटीमा पुल पर पानी बढ़ने से टनकपुर पीलीभीत रूट की ट्रेनें बंदकर दी गई है। बता दें कि अभी हाल में ही मैलानी पीलीभीत के बीच कुछ ट्रेनों के संचालन की अनुमति मिली है। ऐसे में अब लोगों का इंतजार और बढ गया है। इधर लगातार हो रही बारिश के चलते शहर के गोदावरी स्टेट में लोगों के घरों में पानी भर गया।

खतरे को दावत दे रहे हैं लखनऊ के नाले

» सफाई के कामों में पीछे, भ्रष्टाचार में आगे नगर निगम जोन-8

लखनऊ। बारिश के आते ही नगर निगम के भ्रष्टाचार की पोल भी खुलने लगी है। कहीं नाले बह रहे हैं तो कहीं नालों की सफाई के नाम पर गोरखधंधा मचा हुए। दरअसल, जोन-8 नाले की सफाई को लेकर बड़ा खेल चल रहा है। जिन जिम्मेदारों को नाले सफाई के लिए काम दिया गया है वह उसे ठीक नहीं निभा पा रहे हैं। मंत्री से लेकर डीएम तक निरीक्षण कर चुके हैं लेकिन जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता है। उधर आशियाना नाले और रूचि खंड सेंट जोसेफ स्कूल के सामने का हाल देखकर तो लोगों के होश उड़ जा रहे हैं। आखिरकार बारिश में लाखों रुपए का बजट पास होने के बाद भी जमीन पर जिम्मेदारों का काम क्यों नहीं दिखाई दे रहा। नगर विकास मंत्री और नगर आयुक्त की सख्ती के बाद भी इन जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सारी मेहनत और काम सिर्फ फाइलों पर दिखाते हैं और खाना पूर्ति करते है। बारिश होने के बाद जल भराव हो जाता है लेकिन जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता एसी कमरों में बैठकर मौज करते हैं।

फोटो :4 पीएम

चेकिंग अभियान

लखनऊ पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया, अभियान विशेष रूप से 18 साल से कम आयु वाले युवकों के लिए चलाया गया। इस दौरान लाइसेंस और हेलमेट की चेकिंग की गई।

15-16 लोग आए और छिड़का जहर : वकील

» हाथरस हादसे की जांच में तेजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ मचने के मामले की जांच पुलिस तेजी से कर रही है। इस बीच भोले बाबा के वकील ए पी सिंह ने दावा किया कि हाथरस में सत्संग के दौरान लोगों ने जहरीले पदार्थ से भरे डिब्बे खोले थे जिससे भगदड़ मच गई।

वकील ए पी सिंह के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें बताया कि दो जुलाई को भगदड़ जहरीले पदार्थ के कारण हुई,सिंह ने भगदड़ को साजिश करार दिया। वहीं सत्संग में आए मुगलगढ़ी गांव के सुधीर प्रताप सिंह ने कहा, यह घटना तब हुई जब बाबा ने घोषणा की कि भक्तों को उनके पैरों के पास की मिट्टी ले लेनी चाहिए।

अब तक 9 लोग हुए गिरफ्तार

यूपी पुलिस ने इस हादसे के मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि मधुकर सत्संग का मुख्य आयोजक और धन जुटाने वाला व्यक्ति था, जहां 80 हजार की अनुमत सीमा के विपरीत 2.5 लाख से अधिक लोग एकत्र हुए। स्थानीय सिकंदरा राव थाने में दर्ज प्राथमिकी में स्वयंभू बाबा का नाम आरोपी के रूप में नहीं है।

प्रशांत किशोर से सतर्क रहें कार्यकर्ता : जगदानंद सिंह

» राजद ने जन सुराज पार्टी को बताया बीजेपी की बी टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए चेतावनी भी दी है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने जन सुराज पार्टी पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने जन सुराज पार्टी को भारतीय जनता पार्टी का बी-टीम कहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के नेता और कार्यकर्ता विरोधी काम ना करें अन्यथा पार्टी उनके खिलाफ समुचित कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा जिन साथियों को आदरणीय लालू प्रसाद का सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द एवं बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया, महात्मा गांधी, डॉक्टर पेरियार, महात्मा ज्योतिराव फूले, जननायक कर्पूरी ठाकुर और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से वास्ता है, वह दल विरोधी काम ना करें अन्यथा दल उन पर समुचित कार्रवाई करेगी। फिलहाल राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के द्वारा जारी किये गये इस पत्र का राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं और उनके दल के कार्यकर्ताओं में चर्चा का विषय बना हुआ है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने पत्र में लिखा है कि, आये दिन प्राय: सभी जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि हमारे पार्टी के कार्यकर्ता या नेता जन सुराज पार्टी में सहयोगी या उनके सदस्य बन रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विदित हो की जनसुराज पार्टी एक राजनीतिक पार्टी है। इसके संस्थापक प्रशांत किशोर उर्फ प्रशांत किशोर पांडे हैं। यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी एवं देश के धर्मावलंबी लोगों के द्वारा संचालित तथा वित्तीय पोषित हैं अर्थात भारतीय जनता पार्टी का बी टीम है।

अश्विनी चौबे का दिमाग खिसक गया : जदयू विधायक

भागलपुर। बिहार में लोकसभा चुनाव के पश्चात आगामी 2025 में विधानसभा चुनाव होना है। केन्द्र में अपने घटक दलों की मदद नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए हैं, लेकिन बिहार एनडीए में आम चुनाव से पूर्व सब कुछ ठीक नहीं है। इसकी बानगी फिर दिखने लगी है।दरअसल बीते दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे भागलपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने ने 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने बिहार में एनडीए को भाजपा नेतृत्व वाले चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। जिसपर सियासी संग्राम बढ़ने लगा है। अश्वनी चौबे के इस बयान ने खूब सुर्खियां बटोरी। वहीं इसपर जदयू विधायक गोपाल मंडल ने अश्वनी चौबे और गिरिराज सिंह पर जवाबी हमला किया, साथ ही एनडीए घटक दल पर भी टिप्पणी की है। गोपाल मंडल ने कहा कि अश्वनी चौबे क्या है? बिहार में भाजपा का स्थान कहां है? ऐसे ही चौबे जी बकबक करते हैं। उनका दिमाग खिसक गया है। वहीं गिरिराज सिंह को लेकर कहा कि वह भी बकबक करते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।